बर्षः- 05
अंकः- 325
मुरादाबाद
(Saturday)
21 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन को दी बधाई, कहा- और मजबूत करेंगे साझेदारी

प्रधानमंत्री मोदी ने अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का नया प्रधानमंत्री बनने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करने की बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता मिलकर भारत और बैंकॉक के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के रिश्ते साझा सभ्यता और संस्कृति पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत पुराने और गहरे संबंध हैं। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देश शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट हैं।थाईलैंड के निचले सदन ने गुरुवार को अनुतिन चर्नविराकुल को देश का नया प्रधानमंत्री चुना। उन्हें कुल 293 वोट मिले। 59 साल के अनुतिन को 8 फरवरी के आम चुनाव के बाद संसदीय मतदान में चुना गया है। उनके प्रतिद्वंद्वी नत्थाफोंग रुआंगपान्यवुत को सिर्फ 119 वोट मिले। मतदान के दौरान 86 सदस्यों ने हिस्सा नहीं लिया। अनुतिन की पार्टी %भूमजईथाई% ने 500 सीटों वाले सदन में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने पीपुल्स पार्टी को पीछे छोड़ दिया, जिसे 120 सीटें मिली थीं। इसके बाद अनुतिन ने 16 पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। इसमें फेउ थाई पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन के पास कुल 292 सीटें हैं।

अनुतिन पिछले दो दशकों में दोबारा सत्ता में लौटने वाले पहले थाई प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि, उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। उन्हें साल 2022 में भांग (कैनबिस) को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए जाना जाता है। अगस्त 2025 में पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से हटा दिया गया था। कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ उनकी फोन कॉल लीक होने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया था।

इसके बाद अनुतिन ने अल्पसंख्यक सरकार का नेतृत्व किया था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद भी एक बड़ी समस्या है। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बाद फिर से लड़ाई शुरू हो गई थी। इस संघर्ष ने अनुतिन को अपनी राष्ट्रवादी छवि मजबूत करने और बहुमत हासिल करने का मौका दिया। अनुतिन के पिता चवरत चर्नविराकुल ने एक बड़ी निर्माण कंपनी %सिनो-थाई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन% की स्थापना की थी। अनुतिन ने साल 2004 में अरबपति थाक्सिन शिनावात्रा के प्रशासन से राजनीति में कदम रखा था। साल 2007 में कोर्ट ने थाक्सिन की पार्टी को भंग कर दिया था। इसके बाद अनुतिन पर भी पांच साल के लिए राजनीति से प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके बाद वे साल 2012 में भूमजईथाई पार्टी के नेता के रूप में राजनीति में वापस लौटे।

केरल में राहुल गांधी बोले- जनता को यूडीएफ पर पूरा भरोसा, जनता बदलाव के लिए तैयार

राहुल गांधी ने केरल चुनाव के लिए यूडीएफ को एक मजबूत टीम बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ईमानदारी से काम करने वाली सरकार और बदलाव चाहती है। कांग्रेस ने 92 उम्मीदवारों की सूची जारी की है, जिसमें किसी सांसद को जगह नहीं मिली है। राहुल ने केरल को अपना घर बताते हुए जीत का दावा किया।केरल में चुनाव का एलान हो गया है। चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि केरल के लोग अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य में यूडीएफ की सरकार बनाने की वकालत की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा %टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है।%उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दर्शाता है। इस टीम में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ बदलाव लाने वाले युवा चेहरे भी शामिल हैं। यह पुरुषों और महिलाओं का एक ऐसा मजबूत समूह है, जो अपने चुनाव क्षेत्र की बारीकियों और समस्याओं को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने केरल से अपने खास लगाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा, %मेरे लिए केरलम एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार हैं। केरल के लोगों ने मुझे जो कुछ भी सिखाया है और मुझे जितना प्यार और अपनापन दिया है, उसके लिए मैं उनका कर्जदार हूं। मैं हमेशा आपका साथी बनकर रहूंगा।%लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि केरलम से मिलने वाला संदेश बिल्कुल साफ है। लोग बदलाव के लिए तैयार हैं। वे एक ऐसी सरकार की तलाश में हैं जो उनकी बात सुने, उनकी समस्याओं को समझे और ईमानदारी के साथ काम करके दिखाए। उन्होंने वादा किया कि आने वाली यूडीएफ सरकार के साथ मिलकर वे इस खूबसूरत राज्य के बेहतर भविष्य के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि केरल जीतेगा और यूडीएफ नेतृत्व करेगा।राहुल गांधी का यह संदेश कांग्रेस की ओर से 92 उम्मीदवारों की सूची जारी होने के एक दिन बाद आया है। केरल में नौ अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्ताधारी एलडीएफ को कड़ी टक्कर देने के लिए कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी ने इस बार किसी भी सांसद को विधानसभा चुनाव के मैदान में नहीं उतारने का फैसला किया है। पार्टी ने अंदरूनी दबाव के बावजूद अपने राज्य स्तर के नेतृत्व पर ही भरोसा जताया है। कांग्रेस कुल 92 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। बाकी सीटें यूडीएफ के अन्य सहयोगी दलों और कुछ निर्दलीयों के लिए छोड़ी गई हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस पिछले एक दशक से केरल की सत्ता से बाहर है।

संक्षिप्त समाचार

तेल कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम 2.3 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाए, सामान्य पेट्रोल स्थिर

तेल विपणन कंपनियों ने 20 मार्च 2026 से प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में 2.3 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। मध्य पूर्व के तनाव के कारण एचपीसीएल और आईओसीएल के ब्रांडेड पेट्रोल हुए महंगे। रेगुलर पेट्रोल के दाम स्थिर। तेल विपणन कंपनियों ने भारत में प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी का एलान किया है, जिससे विशेष ईंधन का उपयोग करने वाले ग्राहकों पर असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 20 मार्च 2026 से प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में दो रुपये से लेकर 2.3 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया है। पुणे में नई कीमतों के अनुसार, स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 2.09 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। पहले इस पेट्रोल का भाव 111.68 रुपये प्रति लीटर था, जो अब बढ़कर 113.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है। हालांकि, सामान्य पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह फैसला मुख्य रूप से मध्य पूर्व में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक ईंधन बाजारों पर इसके बढ़ते प्रभाव के कारण लिया गया है। हालांकि, आम उपभोक्ताओं के लिए यह एक बड़ी राहत की बात है कि नियमित (रेगुलर) पेट्रोल की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। किन ब्रांड्स पर पड़ा है असर?- वृद्धि का सीधा असर प्रमुख तेल कंपनियों के ब्रांडेड ईंधनों पर देखने को मिला है।

युद्ध स्वार्थ का नतीजा, दुनिया को संघर्ष नहीं सद्भाव चाहिए; नागपुर में बोले संघ प्रमुख

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में दुनिया के मौजूदा हालातों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि स्वार्थ और वर्चस्व की भावना ही दुनिया में झगड़ों की मुख्य वजह है। उन्होंने शांति के लिए धर्म और एकता पर जोर दिया।आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया में बढ़ते तनाव को लेकर बयान दिया है। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि आखिर क्यों दुनिया में शांति नहीं हो पा रही है। भागवत ने स्वार्थ और दूसरों पर काबू पाने की इच्छा को इन विवादों की जड़ बताया। उन्होंने कहा कि जब तक लोग अपनी सोच नहीं बदलेंगे, तब तक शांति संभव नहीं है। भारत के प्राचीन ज्ञान को उन्होंने दुनिया की समस्याओं का समाधान बताया। उनका कहना है कि पूरी दुनिया को एक परिवार की तरह देखना ही सुख का रास्ता है।आरएसएस प्रमुख शुक्रवार को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के नए दफतर के भूमि पूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे। मोहन भागवत ने कहा कि पिछले दो हजार वर्षों से दुनिया में शांति के लिए कई प्रयोग किए गए। लेकिन इनमें से कोई भी पूरी तरह सफल नहीं हुआ। आज भी धार्मिक कट्टरता और जबरन धर्म परिवर्तन जैसी समस्याएं मौजूद हैं। लोग खुद को दूसरों से बड़ा और दूसरों को छोटा समझते हैं। यही वजह है कि दुनिया में लगातार संघर्ष और विवाद बने हुए हैं।धर्म केवल किताबों में नहीं, लोगों के व्यवहार में दिखना चाहिए- भागवत-संघ प्रमुख ने कहा कि शांति केवल बातों से नहीं आएगी। इसके लिए एकता, अनुशासन और धर्म के रास्ते पर चलना होगा। उन्होंने कहा कि धर्म केवल किताबों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसे लोगों के व्यवहार और आचरण में दिखना चाहिए। अनुशासन और नैतिक मूल्यों का पालन करने के लिए मेहनत और त्याग की जरूरत होती है। जब तक समाज में अनुशासन नहीं होगा, तब तक हम एक बेहतर दुनिया की कल्पना नहीं कर सकते। दुनिया को टकराव की जगह आपसी मेलजोल की जरूरत- भागवत ने कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान सिखाता है कि हम सब एक हैं और आपस में जुड़े हुए हैं। दुनिया को अब टकराव छोड़कर तालमेल और सहयोग की तरफ बढ़ना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अब आधुनिक विज्ञान भी धीरे-धीरे इसी बात को मान रहा है। भारत मानवता के नियम का पालन करता है, जबकि दूसरे %सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट% में विश्वास करते हैं। यही वजह है कि दुनिया के कई हिस्से केवल ताकतवर के जीवित रहने की बात करते हैं। दुनिया को संघर्ष की नहीं बल्कि आपसी मेलजोल की जरूरत है।

सांसद केएल शर्मा का कंगना रनौत पर पलटवार, बोले- राजनीति अभिनय का क्षेत्र नहीं, यहां सोच समझकर बोलें

अमेठी पहुंचे सांसद केएल शर्मा ने कंगना रनौत पर पलटवार किया। कहा कि राजनीति अभिनय का क्षेत्र नहीं है, यहां सोच समझकर बोलें। पहले होमवर्क करना जरूरी है।यूपी के अमेठी में गौरीगंज जिला मुख्यालय पर तीन दिवसीय निःशुल्क दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शुक्रवार को समापन पर सांसद किशोरी लाल शर्मा पहुंचे। शिविर का आयोजन सांसद के प्रयास और मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के सहयोग से हुआ।शिविर के समापन पर करीब एक हजार दिव्यांगों को कृत्रिम उपकरण वितरित किए गए। इनमें ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र और अन्य सहायक उपकरण शामिल रहे। कार्यक्रम में मौजूद लाभार्थियों ने इसे अपने जीवन में उपयोगी बताया।इस मौके पर सांसद ने कहा कि शिविर का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है। यह सेवा भाव से किया गया प्रयास है। इसका लक्ष्य जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाना है। इस पहल में किसी भी दल या विचारधारा के लोगों में भेद नहीं किया गया। सभी पात्र दिव्यांगों को समान रूप से लाभ देने की कोशिश की गई। उन्होंने भाजपा सांसद कंगना रनौत पर पलटवार करते हुए कहा कि राजनीति गंभीर विषय है। इसमें बोलने से पहले तैयारी जरूरी है। यह अभिनय का क्षेत्र नहीं है, पहले होमवर्क कर लिया जाए तो बेहतर रहेगा। सांसद ने आगे कहा कि कंगना पर टिप्पणी करना आवश्यक नहीं है, मगर उनकी जानकारी पर सवाल उठते हैं। वह सुभाषचंद्र बोस को देश का पहला प्रधानमंत्री बताती हैं। यह भी कह चुकी हैं कि देश 2014 में आजाद हुआ। ऐसे बयानों से उनकी समझ का स्तर स्पष्ट होता है। बताते चलें कि हाल के दिनों में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर दिए गए बयान के बाद कंगना रनौत सुर्खियों में थीं। इसी संदर्भ में सांसद किशोरीलाल शर्मा ने प्रतिक्रिया दी। कार्यक्रम के अंत में सांसद ने सभी सहयोगियों और आयोजकों का आभार जताया।

धामी कैबिनेट का हुआ विस्तार, विधायक खजान दास, भरत सिंह चौधरी सहित इन पांच मंत्रियों ने ली शपथ

क्षेत्रीय व जातीय समीकरण के बीच संतुलन बनाते हुए पांच नए मंत्रियों को धामी कैबिनेट में एंट्री मिली है। लोकभवन में राज्यपाल ने विधायक खजान दास, भरत सिंह चौधरी, मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा, राम सिंह कैड़ा को मंत्रिपद की शपथ दिलाई।धामी मंत्रिमंडल में पांच नए मंत्रियों की ताजपोशी की गई। राजपुर विधायक खजान दास, भरत सिंह चौधरी, मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा और राम सिंह केड़ा ने आज धामी मंत्रिमंडल में मंत्रिपद की शपथ ली। प्रदेश में लंबे समय से कैबिनेट विस्तार की चर्चाएं थी, जिन पर आज विराम लगा।आज नवरात्र के दूसरे दिन शुक्रवार को लोकभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने सबसे पहले राजपुर विधायक खजान दास को शपथ दिलाई। इसके बाद भरत सिंह चौधरी ने संस्कृत में शपथ ली।

फिर विधायक मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा और राम सिंह केड़ा ने भी मंत्रिपद की शपथ ली। वर्तमान में कैबिनेट में पांच मंत्रियों के पद खाली हैं, जिनमें नए मंत्रियों की ताजपोशी की गई। ताजपोशी के लिए नए चेहरों का चयन विधायकों के पिछले चार साल के कामकाज का रिकॉर्ड देखकर किया गया है। नई कैबिनेट में क्षेत्रीय व जातीय समीकरण के बीच संतुलन बनाया गया। राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ कैबिनेट विस्तार पर कई दौर की वार्ता हो चुकी थी। सरकार व संगठन के बीच कैबिनेट विस्तार के लिए होमवर्क पूरा होने के बाद इसके लिए नवरात्र का शुभ मुहूर्त चुना गया।मैदान से लेकर पहाड़ तक संतुलन बनाया- धामी मंत्रिमंडल में मैदान से लेकर पहाड़ तक संतुलन बनाया है। पहली बार हरिद्वार को दो कैबिनेट मंत्री मिले। अब कैबिनेट में गढ़वाल के आठ और कुमाऊं के चार मंत्री हैं। तीन विधायक पहली बार कैबिनेट मंत्री बने। दो पुराने मंत्रियों को भी मौका दिया गया।

संपादकीय Editorial

How will the war end?

The question now is not so much how long the Iran war will last, but when will it end. Now the fundamental question and deeper concern is how will the war end? Twenty days have passed since the war began. US-Israeli airstrikes have reduced Iran to a graveyard. Iran has also reduced Israel's capital, Tel Aviv, to ruins. The holy city of Jerusalem has also been razed. More than 12,000 Israeli buildings have been damaged or razed to the ground. Now it seems that Iran will either be reduced to dust itself or will wipe out Israel's existence! The situation in both countries is at its peak. Any night could prove to be the "night of doom." Iran has burned to ashes the oil installations, fields, and refineries that were symbols of the prosperity of the Gulf countries. Those countries have either halted or significantly reduced production. Airports have been destroyed and devastated. Tourism is suffering losses of $600 million per day. The Gulf economies have plummeted by 12-15 percent. The dollar is suffering a severe depreciation, impacting the US economy as well. The US has spent nearly $17 billion on the war so far, leading to discontent and anger there as well. Iran is virtually devastated and destroyed. Fifty-six of its top leaders have been assassinated, including "Supreme Leader" Khamenei and National Security Council chief Larijani. Now, Israel has issued a death warrant for the new "Supreme Leader" Mojtaba Khamenei. Iran's president, vice president, chief justice, foreign minister, and parliament speaker have also been targeted. Iran's historic buildings, residential homes, and over 200 hospitals have been reduced to rubble. Nearly 1,500 people have been killed, and more than 12,000 injured. Approximately 3.2 million people have been rendered homeless. This is a report from the United Nations Refugee Agency. The World Food Programme has stated that if the war continues until June, approximately 45 million people will face starvation. This will be due to the oil crisis. Despite this, the old regime in Iran remains intact, its nuclear program continues unabated 400 meters deep in the mountains, and Iran's underwater "missile city" remains viable, and missile attacks from there are being launched to devastate the enemy. Iran claims to have killed more than 200 American soldiers, wounded approximately 3,000, destroyed approximately 150 missile launchers, and destroyed defense and radar systems. Aircraft carriers like the Gerald Ford and Lincoln, symbols of American military arrogance, have been forced to return to the United States. John Bolton, President Trump's former National Security Advisor, says that Trump is deeply entangled in the Iran war. The war has become a "noose around his neck." There is no way out of the war. Ironically, Trump is forced to fight Israel's war. Contradictions are emerging within Trump's own administrative structure. Joe Kent, director of the National Counterterrorism Agency, has resigned, stating that Iran posed no immediate threat to the United States, making this war incomprehensible. NATO and European countries have also defied President Trump, refusing to join the war or send ships to the Strait of Hormuz. This refusal undermines Trump's arrogance. However, how will this war, which is affecting 85 countries worldwide, including India, Japan, and China, end? This question remains unanswered. World leaders are negotiating at various levels. Foreign ministers of Arab and Islamic countries have also met, but Iran is still not ready for a ceasefire. Israel has a long-standing ambition to destroy Iran. What will the world do? India's position is that this is not the time for war. We have always advocated for peace. India also advocated.

A harsh order on a minor issue, a passage from an NCERT textbook that was not noteworthy

It is well known that high government officials avoid committing contempt of the judiciary, even intentionally or unintentionally. Even in this judicial order, there is not a single sentence from the NCERT Director or the textbook that suggests the passage was included with any malicious intent. The passage on judicial corruption in an NCERT textbook. The Supreme Court's extremely harsh and one-sided order. The order further publicized a controversial issue. The Supreme Court's extremely harsh order on a small, informative passage on "corruption in the judiciary" in an NCERT school textbook has created a difficult situation. A careful examination of all the available material reveals a complex situation for the plaintiff, plaintiff, and judge. The deliberate "criminal contempt" of court seems somewhat odd. There are several ironies in this entire episode. First, the Supreme Court's displeasure. Taking cognizance of the matter on his own, the Supreme Court judge rightly asked, "Is corruption only in the judiciary?"This is certainly a serious question. Allegations of corruption in the executive and legislature have been even more widespread and widespread. Corruption at high levels in India has been a topic of discussion from time to time since 1948. Silencing corruption in the executive and legislature and encouraging children to worry only about corruption in the judiciary could have been considered one-sided. This accusation would have been more accurate, but ironically, the judge's question about why corruption in only one branch of government was made a subject of education is absent from his seven-page order. Instead, it is extremely harsh and one-sided. A harsh order was issued even before the case was heard and NCERT was given a chance to present its case in court. It seems an additional irony that the court's order issued such harsh conclusions without giving the author of the text, the high-level committee that approved the text, and the publisher an opportunity to respond. The order also concluded that the book's content was "irresponsible, hateful, disrespectful, and calculated." This tarnished the image of NCERT, which remained unrepresented despite the serious allegations leveled against it, as the plaintiff was the Supreme Court itself! The third irony is that the entire order doesn't quote a single sentence or word from the text that could be considered objectionable. Instead, a "self-evident" newspaper report was cited, which was the basis for the court's displeasure. Not a single inappropriate word from the report was quoted. This seems somewhat odd, as the order regarding the passage published in the textbook states, "We do not wish to quote the text, which mentions hundreds of complaints against the judiciary," and "Certain words have been selected from a statement by a former Chief Justice, which suggests that the judiciary has admitted to a lack of transparency and accountability and corruption within the institution." It seems ironic that if a quote on a relevant issue is accurate, authentic, and relevant, how can it be considered inappropriate? The Supreme Court's said order does not call those quotes from the text inaccurate or its sources unreliable. After all, several Supreme Court judges have publicly stated the same things in even harsher terms. Justice B.R. Gavai said in June 2025, "Sadly, there have been cases of corruption and inappropriate behavior in the judiciary." Such incidents negatively impact public confidence and have the potential to undermine credibility in the system. Similarly, in a public lecture, former Supreme Court judge Ruma Pal said, "Judges use the term 'independence' of the judiciary as a sword to initiate contempt proceedings against critics, but it is also used to conceal a multitude of sins." In today's age of widespread media coverage, everything reaches every corner. However, corruption in the judiciary is the lowest among all three branches of government. It is also ironic that the passage in the NCERT textbook does not actually reflect anything disrespectful. The title of the passage itself was misleading. Its description merely mentions the procedures in place to address complaints against judges. The presentation, language, and style of those facts do not reflect any contempt or malicious intent, which seems to be assumed. It's a profound irony that a passage from a textbook that no one finds objectionable or even noteworthy in itself is attracting the attention of millions of people due to such a harsh court order. Since the passage and the book itself have been removed from everywhere with immediate effect by the court order, the topic of "corruption in the judiciary" is being widely discussed. This judicial order, in turn, has given publicity to a topic that was in itself merely a formal statement. It is well known that senior government officials avoid contempt of the judiciary, even intentionally or unintentionally. This judicial order also does not mention a single sentence from the NCERT Director or the textbook, suggesting that the passage was included with any malicious intent. It seems more likely to be an inadvertent mistake, and that too by a committee in which senior decision-makers were outside NCERT. It should be noted that numerous previous Judges themselves have pointed out that the primary responsibility for the credibility of the judiciary lies with the judges themselves. Former Chief Justice S.P. Bharucha said in December 2002, “To demonstrate that the judiciary does not tolerate corruption in its own ranks, it is necessary to investigate and remove corrupt judges from service.” It would have been more appropriate for the Supreme Court to fulfill the expectations of its own distinguished former judges and strengthen public confidence in the judiciary.

A New Chapter in Indian Cinema

A filmmaker is more of a guide than a director. He is a level-headed individual who sees his work through to fruition. A good film is made with trust rather than control, and Dhurandhar is a prime example of that. "Dhurandhar" marks a new chapter in Indian cinema. A realistic portrayal of the India-Pakistan conflict and espionage. Aditya Dhar challenged conventional filmmaking. With the release of the second part of "Dhurandhar," the film has once again become a topic of discussion. This film marks a new chapter in Indian cinema. It is the first Indian film in recent years to remain consistently in the news. The film's core narrative revolves around Pakistani conspiracies against India. Former Pakistan Army Chief Zia-ul-Haq adopted a strategy of inflicting thousands of small wounds on India instead of conventional warfare, a strategy Pakistan has maintained over time. Dhurandhar is the story of an Indian spy countering such Pakistani audacity. Dhurandhar is a surrealistic masterpiece, with its plot, dialogue, and political authenticity, combined with the underlying violence and background music. The main character, Hamza Ali Mazari, is like Abhimanyu from the Mahabharata, sent by his nation to seek vengeance. The Lyari area of ??South Karachi, notorious for crime, poses a Chakravyuh for Hamza, a Chakravyuh (a web of darkness) that he must break through to return to India. Will he be able to break through this vicious Chakravyuh? Dhurandhar is India's first film that explores the current India-Pakistan conflict in all its horror. Aditya Dhar's research to depict Pakistan's frustration with India and its proxy terrorism is unheard of in Mumbai's commercial cinema, with the exception of Satyajit Ray or Shyam Benegal. The film's key characters, Major Iqbal, Babu Dakat, Rehman Dakat, Uzair Baloch, SP Aslam, and Javed Khanani, all bear striking resemblance to the notorious criminals and terrorists who carried out attacks like the Kandahar plane hijacking, the Parliament attack, and 26/11. Released late last year without any planned publicity, Dhurandhar's phenomenal success stunned Bollywood's star system and production houses. Commercial jealousy had silenced them, but the audience's outpouring of love for the film changed their tune. Dhurandhar also demonstrated that negative reviews cannot prevent a work's excellence from making headlines. Ram Gopal Varma, who has given Indian cinema many memorable films, was so impressed by it that he said, "I don't think it's an exaggeration that Indian cinema will now be seen as 'before Dhurandhar' and 'after Dhurandhar'." What exactly about Dhurandhar made people like it? In fact, Dhurandhar's events unfold so rapidly, and its subplot is so compelling, that viewers are unable to fully connect with the story's development. Therefore, the film was watched multiple times to absorb its plot and subplot. Cinema has been Aditya Dhar's passion since childhood. Even dyslexia, which makes it difficult to read, write, and spell. A harsh reality of Mumbai is that even after getting work, it often doesn't pay off. Yet, people persist, hoping to gain experience. Aditya, who moved to Mumbai in 2006, wrote songs for Kabir Khan's Kabul Express and also worked as an assistant director. While working on films like Haal-e-Dil and Daddy Cool, Priyadarshan's Aakrosh and Tez, Aditya continued to dream of making his own film. His stories were repeatedly stolen, and things nearly fell through. In 2016, Aditya's fortunes took a turn when he was about to make his first film, "Raat Baaki," with Fawad Khan for Karan Johar's Dharma Productions. At that time, the Uri terrorist attack occurred. A ban was imposed on Pakistani artists in India, preventing Aditya from making the film. Just days after the Uri attack, the Indian Army carried out a surgical strike across the border, eliminating a large number of Pakistani terrorists. This surgical strike suddenly inspired Aditya Dhar to overcome his depression and make his first film. After six months of research at his own expense, he wrote the script for "Uri" in 12 days, and the rest is history. A line from his film, "How's the Josh?", became a national conversation at the time. There's no doubt that Aditya breaks the status quo associated with mainstream cinema with his cinema. With just two films, Uri and Dhurandhar, Aditya Dhar has transformed the meaning of being a filmmaker. The filmmaker is no longer a controller but a synthesizer, empowering every artist in the film. Creation happens in his presence. A filmmaker is more of a guide than a director. He is a person of steadfast wisdom. He sees his creation through. A good film is made with trust rather than control, and Dhurandhar is a prime example of that.

मुरादाबाद मंडल में बरसे बदरा: झमाझम बारिश से मौसम ठंडा, किसानों की बढ़ी चिंता, सरसों-गेहूं की फसल को नुकसान

मुरादाबाद में देर रात से हो रही बारिश से मौसम ठंडा हो गया है। बेमौसम बरसात और तेज हवा ने गजरौला क्षेत्र में किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मुरादाबाद मंडल में मौसम ने अचानक करवट बदल ली। देर रात से शुरू हुई बूंदाबांदी शुक्रवार सुबह तक रुक-रुक कर बारिश में बदल गई। इससे शहर और ग्रामीण इलाकों में ठंडक महसूस की जाने लगी। सुबह करीब पांच बजे शुरू हुई बारिश कुछ देर थमी, लेकिन आसमान में काले बादल छाने के साथ ही झमाझम बरसात होने लगी।बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को हल्की ठंड का अहसास हुआ। सुबह के समय कामकाज के लिए घरों से निकले लोग छाता और पन्नी का सहारा लेते नजर आए। कई इलाकों में सड़कों पर जलभराव और कीचड़ से भी लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।उधर, गजरौला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में कटी पड़ी सरसों की फसल भीगने से खराब होने लगी है। तेज हवा के साथ हुई बारिश ने गेहूं की खड़ी फसल को भी जमीन पर बिछा दिया है। इससे पैदावार कम होने का खतरा मंडरा रहा है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय हो रही बारिश रबी की फसलों के लिए नुकसानदेह साबित होती है, खासकर तब जब फसल कटाई के लिए तैयार हो या खेतों में पड़ी हो। मौसम विभाग ने भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आंधी और बारिश की संभावना जताई है।

खेत में गन्ना छीलते समय बिजली गिरी, दो मजदूरों की मौत, अमरोहा में मची चीख-पुकार

अमरोहा के गजाना-बागड़पुर क्षेत्र में गन्ना छील रहे मजदूरों पर बिजली गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई। इसके अलावा अन्य दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अमरोहा में शुक्रवार की सुबह अचानक बदले मौसम ने खूब कहर बरपाया। गजाना-बागड़पुर गांव के पास खेत में गन्ना छील रहे मजदूरों पर बिजली गिर गई। इसमें मजदूर धर्मेंद्र सिंह उर्फ कलुआ (46) और नरेश (32) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। दोनों मजदूरों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मृतक मजदूर धर्मेंद्र सिंह उर्फ कलुआ देहात थानाक्षेत्र के गजाना गांव के रहने वाले थे।नरेश मूलरूप से बिहार के रहने वाले थे। नरेश बागड़पुर गांव के रहने वाले पूर्व प्रधान शेर सिंह के भाई जयवीर सिंह के घर पर एक सप्ताह पहले नौकरी करने आए थे। धर्मेंद्र सिंह के परिवार में पत्नी पूनम के अलावा तीन बच्चे हैं। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार की सुबह गजाना निवासी मुन्नी देवी के खेत में जयवीर सिंह, धर्मेंद्र उर्फ कलुआ, नरेश और भूरे खा गन्ना छील रहे थे। करीब 8-30 बजे अचानक बूंदाबांदी के साथ आसमान में बिजली कड़कने लगी। तभी जयवीर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, नरेश और भूरे खां खेत के पास में बने मकान पर जाने लगे। तभी तेज धमाके के साथ बिजली जमीन पर गिरी और उसकी चपेट में आकर धर्मेंद्र और नरेश की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं जयवीर सिंह और भूरे खां घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही अमरोहा देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। थाना प्रभारी शौकेंद्र बालियान पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। प्रशासनिक अधिकारियों में एसडीएम सदर, तहसीलदार और लेखपाल भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी जुटाई। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। मृतक धर्मेंद्र के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, मृतक नरेश के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। प्रशासन की ओर से मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

किशोरी से किया था रेप, दोषी को 20 साल कठोर कारावास की सजा

किशोरी से दुष्कर्म के मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने मुख्य आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास और 35 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। एक आरोपी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। फरार आरोपी के खिलाफ वारंट जारी किया गया है। 19 अगस्त 2017 को आरोपी ने घर में घुसकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया था। अदालत ने मोहम्मद नसीम को दोषी मानते हुए धारा 452 के तहत तीन वर्ष का कारावास व तीन हजार रुपये जुर्माना, धारा 354ए के तहत दो वर्ष का कठोर कारावास व दो हजार रुपये जुर्माना तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत 20 वर्ष का कठोर कारावास व 30 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर चार माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। फरार आरोपी रिजवान का वारंट जारी किया है, जबकि साकिब को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आदित्य कुमार सिंह के अनुसार, अदालत ने जुर्माने की राशि में से 30 हजार रुपये पीड़िता को देने और पांच हजार रुपये राज्य सरकार में जमा कराने के निर्देश दिए हैं।अभियोजन के अनुसार, घटना से करीब छह माह पहले बकरी के बच्चे को लेकर विवाद हुआ था, जिसकी रंजिश में आरोपी ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

पेट्रोल पंप कर्मी की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

रामपुर। संदिग्ध परिस्थितियों में पेट्रोल पंप कर्मी ने विषैला पदार्थ निगल लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों ने पंप संचालक और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया।सिविल लाइंस क्षेत्र के ग्राम रायपुर निवासी संजीव यादव सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित एक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन के पद पर कार्यरत थे और करीब दस साल से यहां काम कर रहे थे। बुधवार शाम अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उल्टियां होने लगीं। इसके बाद उन्हें अस्पताल भेजा गया और परिजनों को सूचना दी गई।परिजन मौके पर पहुंचे और हालत गंभीर होने पर उन्हें मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम हाउस के बाहर परिजनों ने हंगामा करते हुए पंप स्वामी और कर्मचारियों पर जहर देकर हत्या का आरोप लगाया। मौके पर पहुंचे सिविल लाइंस कोतवाल ने कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया, जिसके बाद पोस्टमार्टम कराया गया। सिविल लाइंस थाना प्रभारी ओमकार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, इसलिए विसरा सुरक्षित कर लिया गया है। तहरीर मिली है और सभी आरोपों की जांच की जा रही है।

भाकियू असली जिलाध्यक्ष सहित 5 पदाधिकारी गिरफ्तार, 55 हिरासत में

गंगा में अवैध बालू खनन के आरोप को लेकर महापंचायत के बाद धरना दे रहे भारतीय किसान यूनियन (असली) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने संगठन के राष्ट्रीय महासचिव और जिला मांगने सहित गंभीर धाराओं में गिरफ्तार भंग की आशंका में हिरासत में लिया गया तलाश की जा रही है।बुधवार को जुनावई आयोजित की गई थी। महापंचायत में हरपाल सिंह समेत बड़ी संख्या में किसान का आरोप था कि बुलंदशहर जनपद के जनपद की सीमा में गंगा से बालू का अवैध दौरान आसपास के गांवों में बाढ़ का खतरा के एसडीएम ने किसानों से वार्ता करते हुए पर खनन बुलंदशहर जनपद की सीमा के आश्वस्त करने का प्रयास किया, लेकिन और मैन्युअल सीमांकन कराने की मांग पर ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। प्रशासन की संयुक्त टीम धरना स्थल पर हटवा दीं। इसके साथ ही धरना दे रहे

अध्यक्ष समेत पांच पदाधिकारियों को रंगदारी किया है, जबकि 55 कार्यकर्ताओं को शांति है। राष्ट्रीय अध्यक्ष हरपाल सिंह की भी क्षेत्र में गंगा किनारे उस स्थान पर महापंचायत भाकियू (असली) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी और पदाधिकारी मौजूद रहे। किसान नेताओं नाम पर जारी खनन पट्टे की आड़ में संभल खनन किया जा रहा है, जिससे बरसात के उत्पन्न हो सकता है। मौके पर पहुंचे गुन्नौर स्पष्ट किया कि डिजिटल पैमाइश के आधार भीतर ही हो रहा है। उन्होंने किसानों को किसान नेता इस दलील से सहमत नहीं हुए अड़े रहे।वार्ता विफल होने के बाद किसानों बुधवार आधी रात के बाद पुलिस और पहुंची और वहां लगे टेंट व अन्य व्यवस्थाएं पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया। गुरुवार को प्रशासन ने बताया कि कुल 55 लोगों को शांति भंग की आशंका में हिरासत में लिया गया है। भाकियू (असली) के राष्ट्रीय महासचिव ऋषिपाल सिंह, जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह यादव, केदारी सिंह, सुभाष और दिलीप उर्फ टीटू को खनन रोकने की धमकी देकर रंगदारी मांगने सहित अन्य गंभीर आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। किसान नेताओं का आरोप है कि वे केवल अवैध खनन के खिलाफ आवाज उठा रहे थे और प्रशासन उनकी बात सुनने के बजाय दमनात्मक कार्रवाई कर रहा है। जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई नेकहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने और रंगदारी मांगने जैसी गतिविधियों में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। अवैध उगाही व रंगदारी मांगने पर हुई गिरफ्तारी - एसपी पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि खनन कार्य में लगे वाहनों को रोककर जबरन वसूली करने के आरोप सामने आने के बाद कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि विपिन कुमार उर्फ मोनू निवासी ग्राम ततारपुर, थाना हापुड़ देहात द्वारा थाना जुनावई में तहरीर देकर कहा गया कि वह शासन द्वारा निर्गत पट्टे के अनुसार मौरंग का खनन कर रहा है और निर्धारित शासकीय शुल्क भी जमा कर रहा है। इसके बावजूद कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के लोग उसके ट्रक, डंपर और ट्रैक्टर को जबरन रोककर उनसे अवैध वसूली कर रहे थे। थाना प्रभारी की जांच में पाया गया कि कुछ वाहनों को रोका गया था और उन पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास भी किया गया था। इसके बाद पुलिस ने मौके पर मौजूद सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से केदारी सिंह पर पहले से ही गुंडा एक्ट, आर्म्स एक्ट, चोरी और हत्या के प्रयास (धारा 307) समेत कुल नौ मुकदमे दर्ज हैं। वहीं सुभाष, राजपाल सिंह यादव, ऋषिपाल सिंह और दिलीप उर्फ टीटू पर भी दो-दो मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस ने जिन 55 अन्य को हिरासत में लिया है उन पर खनन कार्य में लगे लोगों को परेशान करने और अवरोध उत्पन्न करने का आरोप है।

मुकदमा वापस लेने का दबाव, पति पर अश्लील फोटो भेजने का आरोप

रामपुर। दहेज की मांग पूरी न होने पर पति पर विवाहिता को मारपीट कर घर से निकालने और प्राथमिकी वापस न लेने पर उसके अश्लील फोटो रिश्तेदारों को भेजने का आरोप लगा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी महिला ने बताया कि उसका विवाह बरेली जिले के किला थाना क्षेत्र के एक युवक से हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद ही पति दहेज की मांग करने लगा। विरोध करने पर मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया, जिसके बाद वह अपने भाई के घर रहने लगी। भरण-पोषण के लिए उसने वाद दायर किया।महिला के अनुसार इसके बाद पति ने वीडियो कॉल कर उस पर बहनोई के साथ अवैध संबंध होने का आरोप लगाया। विरोध करने पर उसने झांसा देकर कहा कि उसकी बात मानने पर उसे वापस घर ले आएगा। आरोप है कि इसके बाद पति ने उसकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो बना लिए। महिला का कहना है कि पति ने ये फोटो और वीडियो रिश्तेदारों को भेजकर उसे बदनाम किया और भरण-पोषण का मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया। विरोध करने पर लगातार बदनाम करने की धमकी दी गई। पीड़िता ने मानसिक तनाव में होने की बात कही है। सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी ओमकार सिंह के अनुसार आरोपी पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सीएम योगी के दौरे की तैयारी को लेकर एक्शन मोड़ में बीडीए

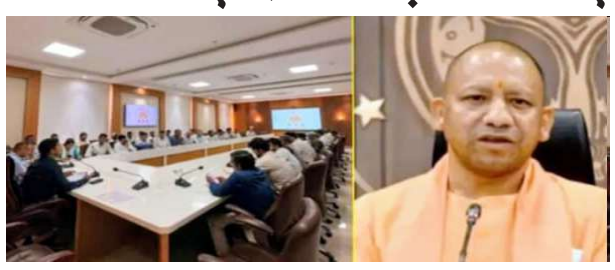

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित दौरे को लेकर बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने अपनी विकास परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाने की की रफ्तार तेज कर दी है, ताकि मुख्यमंत्री के समक्ष विकास का एक भव्य और सुव्यवस्थित खाका पेश किया जा सके। बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मनिकन्डन ए. की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं के संचालकों के साथ अधूरी परियोजनाओं और उनकी वर्तमान स्थिति पर बिंदुवार चर्चा की गई। इस दौरान कार्यदायी एजेंसियों को दो-टूक हिदायत दी गई कि निर्माण की गति बढ़ाने के चक्कर में गुणवत्ता से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं होगा। मुख्य अभियंता एपीएन सिंह ने बताया कि परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग के लिए विशेष रणनीति तैयार की गई है, जिसके तहत देरी से चल रहे कार्यों को %%क्रिटिकल%% श्रेणी में रखकर प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा। बीडीए के आला अधिकारियों का पूरा जोर इस बात पर है कि मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान शहर का बुनियादी ढांचा और सौंदर्यीकरण पूरी चमक के साथ दिखाई दे। बीडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि रामायण वाटिका जैसी सांस्कृतिक महत्व की परियोजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि मुख्यमंत्री के हाथों इनका लोकार्पण प्रभावी ढंग से हो सके।

बरेली समेत आसपास के क्षेत्रों में तेज हवा के साथ बारिश

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौसम का मिजाज फिर बदल गया। शुक्रवार को सुबह से ही बारिश शुरू हो गई। करीब दो घंटे रिमझिम बारिश होती रही। इस दौरान तेज हवा भी चली। इससे पहले पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बृहस्पतिवार को दोपहर तक बादल मंडराते रहे, लेकिन निम्न वायुदाब का क्षेत्र नहीं बनने से बारिश नहीं हुई। अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 29.4 व न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बारिश होने से तापमान में गिरावट हुई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक, पंजाब और हरियाणा पर बना पश्चिमी विक्षोभ पछुआ हवा के साथ पहाड़ों से सटे मैदानी इलाकों में प्रवेश कर रहा है। इससे बादल मंडरा रहे हैं। शनिवार को भी निम्न वायुदाब का क्षेत्र बनने पर गरज-चमक और तेज हवा संग बारिश का अनुमान जताया है। बारिश से पहले सुरक्षित स्थान पर पहुंचने का सुझाव दिया है। उधर, बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश से गेहूं और सरसों की फसल को नुकसान हो सकता है। बदायूं में रिमझिम बारिश ने शहर और ग्रामीण इलाकों में मौसम को सुहावना बना दिया। हालांकि बारिश के चलते सड़कों पर फिसलन बढ़ गई और जगह-जगह कीचड़ की स्थिति भी देखने को मिली, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम में आए इस बदलाव का असर जनजीवन पर भी साफ नजर आया। मौसम विभाग ने अगले एक-दो दिनों तक हल्की बारिश और बादल छाए रहने की संभावना जताई है, जिससे तापमान में और गिरावट आ सकती।

ईद की खुशियों में जरूरतमंद लोगों को दरगाह आला हज़रत पर कपड़ों का तोहफा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। ईद-उल-फितर के करीब आते ही शहर में तैयारियां तेज हो गई हैं।

इसी क्रम में दरगाह आला हजरत में जरूरतमंदों के बीच ईद की खुशियां बांटी गईं। सज्जादानशीन बदरूशरिया मुफ्ती अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) की ओर से बच्चों को कुर्ता-पायजामा और महिलाओं को सूट वितरित किए गए, ताकि गरीब परिवार भी ईद के त्योहार में शामिल हो सकें। दरगाह के मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि इस मौके पर मुफ्ती अहसन मियां ने कहा कि ईद-उल-फितर रमजान के पूरे तीस रोजों का इनाम है। जब बंदा पूरे महीने रोजा रखता है, समय पर नमाज अदा करता है और अल्लाह के हुक्म के मुताबिक अपनी जिंदगी गुजारता है, तब अल्लाह उसे ईद की खुशियों से नवाजता है।

उन्होंने कहा कि ईद खुशियों का त्योहार है और इसे आपसी भाईचारे और मोहब्बत के साथ मनाना चाहिए। अपनी खुशियों में गरीब और जरूरतमंद लोगों को भी शामिल करना चाहिए, क्योंकि असली ईद तभी है जब सभी लोग मिलकर खुशियां मनाएं।दरगाह पर ईदी और कपड़ों के वितरण की जानकारी मिलते ही सुबह से ही लोगों की भीड़ जुटने लगी थी। सभी जरूरतमंदों को ईदी देकर नवाजा गया।

प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सरकार द्वारा विकास कार्यों, नीतियों व जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत -पीलीभीत प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर आज दिनांक 19.03.2026 को जनपद पीलीभीत में मुख्य अतिथि श्रीमती रेखा परिहार जिला उपाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में पंचायतीराज विभाग, उद्योग विभाग एवं नेडा विभाग का संयुक्त आयोजन गांधी प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सरकार की नीतियों, उपलब्धियों व जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी नुक्कड नाटक के माध्यम से दी गई। प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मा0 जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास-सबका विश्वास के आधार पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बिना किसी भेदभाव के समाज के कमजोर व्यक्तियों तक संचालित योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है।

जिलाधिकारी ने कहा कि आर्थिक रूप से प्रबल होने के लिए अपना घर व अपना रोजगार होना आवश्यक है। सरकार इन्हीं नीतियों पर कार्य कर रही हैं, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के द्वारा आवास विहीन लोगों को आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आह्वान करते हुये कहा कि जनपद को झोपड़ी मुक्त बनाने के लिए अपने गांव में झोपड़ियों को चिहिन्त करते हुये अवगत कराये ताकि उन्हें योजना से लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि हम आत्मनिर्भर तभी बनेगें जब हम कुछ नया सीखेगें और नया करेगे।

हर व्यक्ति कुछ न कुछ उत्पादन कर राष्ट्र निर्माण में योगदान करे। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जानकारी देते हुये बताया कि इस योजना के अन्तर्गत अपना उद्यम स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा बिना किसी गारण्टी के 05 लाख रूपये का लोन दिया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से सरकार का उद्देश्य आर्थिक रूप से दुर्बल वर्ग को सशक्त बनाना है। इस दौरान पंचायत विभाग, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, एक जनपद एक उत्पाद, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन आदि योजनाओं की जानकारी दी गई। पंचायतीराज विभाग विभाग द्वारा शौचालय निर्माण हेतु तेजराम, बुद्धसेन, बालकराम, कैकेयी, पूरनदेई स्वीकृति पत्र वितरित किए। नेडा विभाग द्वारा कुमार इलेक्ट्रिकल एंड कंस्ट्रशन, वीके कंस्टेक्शन, आस्था इंटरप्राइजेज, शिव टेऊडर्स, आर्क एनर्जी सॉल्यूशन, पीवीएस टेऊडर्स, जेके इण्टर प्राइजेज, रेनूका इण्टरप्राइजेज प्रशस्ति पत्र एवं उद्योग विभाग द्वारा राजमिस्त्री को वीरपाल, लालता प्रसाद, सतवीर, सीमर, मोची टेऊड राम औतार व मनोज कुमार एवं दर्जी टेऊड-नीलम कुमारी, रागुन कश्यप, अदीबा, खुशबू ज्योति आदि को प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। मंच का सफल संचालन जनपद के वरिष्ठ पत्रकार श्री मंसूर अहमद शम्सी जी द्वारा किया गया।

टेस्टिंग में 11 फर्मों के सैंपल फेल, ब्लैकलिस्ट की लटकी तलवार

नगर आयुक्त ने परखी थी 17 फर्मों के निर्माण कार्य की गुणवत्ता

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्मार्ट सिटी में विकास के नाम पर बिछाई जा रही सड़कों और नालियों के नीचे दबे भ्रष्टाचार की परतें उखड़ने लगी हैं। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य की ओर से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर कराई गई जांच में इसका खुलासा हुआ है। 17 प्रमुख फर्मों के कार्यों की लैब टेस्टिंग कराई गई थी, इनमें 11 फर्मों का काम निर्धारित मानकों की कसौटी पर खरा नहीं उतरा। इसपर नगर आयुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए न केवल भारी जुर्माना लगाने, बल्कि ऐसी फर्मों को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इससे ठेकेदारों में खलबली मची हुई है। दरअसल, पिछले दिनों शहर में हो रहे विकास कार्यों की हकीकत जानने के लिए नगर आयुक्त खुद फील्ड में उतरे थे। जांच के दौरान कई स्थानों पर सड़क और नालियों का निर्माण इतना घटिया पाया गया कि हाथ लगाते ही पोल खुलकर सामने आ गई। मुख्य अभियंता मनीष अवस्थी और इंजीनियरों की टीम के सामने नगर आयुक्त ने तत्काल प्रभाव से मानक विहीन सड़कों और नालियों को दोबारा खोदने के निर्देश दिए थे। बताया गया कि पहले चरण में 30-30 लाख रुपये की लागत वाले उन कार्यों को निशाने पर लिया गया, जो नगर निगम निधि, 15 वें वित्त आयोग और एनकैप परियोजना के तहत कराए गए थे। जांच में मैसर्स गिरीश पाराशरी, कुंवर कंसट्रक्शन, एसपीएस कंसट्रक्शन, सूरी डेवलपर्स, कुमार एंड कंपनी, एपी कंसट्रक्शन, अंजनी बिल्डर्स, एमबी कंस्ट्रक्शन और एसपी कंस्ट्रक्शन जैसी फर्मों के कार्य अधोमानक पाए गए। यानी निर्माण में सीमेंट और कंक्रीट की जगह केवल खानापूर्ति की गई। इन फर्मों पर अब न केवल जुर्माने की तलवार लटक रही है, बल्कि भविष्य में इनके ब्लैकलिस्ट होने का खतरा भी मंडरा रहा है।

चोरी गई एक सोने की चेन व एक अंगूठी बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच /राजकुमार शर्मा (कटारे)/बैराड पुलिस द्वारा चोरी के अपराध क्रमांक 117/2026 मे चोरी गई एक सोने की चेन व एक अंगूठी कीमती करीबन 2,25,000/- रूपये की बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया एवं माननीय न्यायालय पेश किया गया। शिवपुरी ‒ फरियादी संदीप पुत्र गोपाल धाकड उम्र 27 साल निवासी ग्राम सहसराम थाना गसवानी जिला श्योपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 10, 11/03/2026 को मैं अपने साले संतोष धाकड की शादी में बैराड आया था मैं अपने गले में एक सोने की चेन तथा दाहिने हाथ की रिंग फिंगर(अंगुली) में सोने की अंगूठी पहने हुये था। मैंने अधिक शराब पीने के कारण माता रोड कलारी के पीछे खुली जगह में सो गया था रात्री मैं कोई अज्ञात चोर मेरी सोने की चेन व सोने की अंगूठी कीमती 2,25,000/- रूपये की चुराकर ले गया है रिपोर्ट पर से अपराध क्रमांक 117/2026 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिह राठौड़ द्वारा चोरी की घटना को गंभीरता से लिया गया तथा तत्काल थाना बैराड पुलिस को शीघ्रताशीघ्र ट्रेस करने हेतु निर्देशित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले व एसडीओपी पोहरी श्री आनंद राय के मार्गदर्शन मे पुलिस टीम गठित कर सीसीटीव्ही कैमरो कों खंगाला गया तथा विश्वसनीय मुखबिर सूचना के आधार पर ज्ञात हुआ कि संदेही सोनू रावत पुत्र हक्के उर्फ हाकिम रावत उम्र 25 रावत निवासी बैराड गांव रोड़ बैराढ,

2.मंगल रावत पुत्र प्रयागसिंह रावत उम्र 27 साल निवासी माता मंदिर के पीछे वार्ड क्र. 05 भदेरा बैराढ के दिनांक 10, 11/03/2026 को माता रोड़ कलारी के पीछे जाते दिखे थे बाद संदेही सोनू रावत पुत्र हक्के उर्फ हाकिम रावत उम्र 25 रावत निवासी बैराड गांव रोड़ बैराढ, 2.मंगल रावत पुत्र प्रयागसिंह रावत उम्र 27 साल निवासी माता मंदिर के पीछे वार्ड क्र. 05 भदेरा बैराढ को तलब कर पूछताछ की गई तो जुर्म करना स्वाकीर किया आरोपीगण का मेमोरेण्डम के आधार पर चोरी गई सोने की चेन व सोने की अंगूठी कीमती 2,25,000/- रूपये बरामद की गई आरोपीगण को गिरफतार किया गया आरोपीगणों के विरूद्ध पूर्ण रूप से करीव 02 दर्जन अपराध पंजीबद्ध है गिरफतार शुदा आरोपीगण को माननीय न्यायालय में पेश किया गया जहां से आरोपीगण को जेल भेजा गया। जप्त मसरुका - एक सोने की चेन व एक सोने की अंगूठी कीमती 2,25,000/- रूपये इनकी रही भूमिका ‒ - निरी सुरेश शर्मा , सउनि सत्येन्द्र सिंह भदौरिया, आर. 817 रविन्द्र धाकड , आर. 116 संदीप राठौर,आर.150 अतरसिंह रावत, आर. 1093 गिर्राज त्यागी।

तमंचे के साथ वीडियो वायरल करने वाला युवक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली 7 थाना इज्जतनगर सोशल मीडिया पर अवैध तमंचे के साथ वीडियो वायरल होने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए रिहान पीर बहोड़ा को बग्गा ग्राउंड क्षेत्र इज्जतनगर पुलिस ने (19 वर्ष) निवासी से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से 01 तमंचा (.315 बोर) व 01 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इस संबंध में मु0अ0सं0 223/2026, धारा 9/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने तमंचा किसी अज्ञात व्यक्ति से खरीदा था। पुलिस द्वारा अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय गौशाला मूल्यांकन समिति की बैठक हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत - मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक कल देर शाम गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में सभी 66 गौशालाओं की समीक्षा गई। समस्त गौशालाओं में 7619 गोवंश संरक्षित है सहभागिता में दिए गए 8816 गोवंशों का समय से सत्यापन कर उनके रूपये 50 प्रतिदिन के हिसाब से मांग हर माह की 28 तारीख तक जिला स्तर पर भेजने के निर्देश सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी व पशु चिकित्सा अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने समय से सहभागिता की मांग अपलोड न करने पर नाराजगी व्यक्त की। सभी गौशालाओं की मांग प्रत्येक महीने की 25 तारीख तक जिला मुख्यालय पर भेजने के भी निर्देश दिए गए। सभी खण्ड विकास अधिकारियों वह पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सहभागिता में दिए गए गोवंशों को सत्यापित करके रिपोर्ट एक हफ्ते के अन्दर जिला मुख्यालय को दी जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारी व पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए प्रत्येक गौशाला में पर्याप्त पीने की व्यवस्था, हरे चारे की व्यवस्था और छाया की व्यवस्था कर ली जाए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार त्यागी ने अवगत कराया कि 50 से कम संख्या वाली गौशालाओं में और गोवंश रखे जाएं जिस पर जिलाधिकारी ने 50 से कम संख्या वाले गौशालाओं में अतिरिक्त शेड बनवाकर पशु संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में समस्त उप जिलाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, डीएसपी यातायात, जिला पंचायतराज अधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त पशु चिकित्सा अधिकारी, उपमुख्य पशुचिकित्साधिकारी, सभी जिला स्तरीय नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

पिछड़ा वर्ग हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला उद्योग द्वारा आरंभ किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत - पीलीभीत वित्तीय वर्ष 2025-2026 हेतु अन्य पिछड़ा वर्ग योजनान्तर्गत चार माह का प्रशिक्षण जिला उद्योग एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, पीलीभीत के माध्यम से चलाया जना है। प्रशिक्षण हेतु निर्धारित साड़ियों की कढ़ाई छपाई एवं प्लंबरिंग टेऊड में प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता 08 वी उत्तीर्ण होना अनिवार्य है एवं उनकी आयु 18 से 45 के मध्य होना अनिवार्य है। औपचारिकतायें आधार कार्ड, हस्ताक्षर, बैंक पासबुक, दिव्यांग प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र की छायाप्रति व मोबाइल आदि निम्न प्रकार है। उक्त प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक युवक एवं युवतियां ऑनलाइन आवेदन पत्र द्वह्यद्वद्द.ह्वश्च.द्द1.द्बठ्ठ पोर्टल पर नि:शुल्क कर सकते है। आवेदक का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जायेगा। आवेदन पत्र ऑनलाइन करने की अन्तिम तिथि 30.03.2026 है। उपायुक्त द्वारा सूचित किया जाता है कि कि उक्त पोर्टल पर आवेदन करने की प्रक्रिया पूर्णत: नि:शुल्क है। अत: गुमराह करने वाले लोगों से बचे एवं असामाजिक तत्वों से सावधान रहे।

15 देसी मुद्रा दुकानों और कंपोजिट मुद्रा दुकानों का आवंटन अधिकारी द्वारा किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत - पीलीभीत में ई लॉटरी के माध्यम से 15 देशी मदिरा दुकानों और 3 कम्पोजिट मदिरा दुकानों का आवंटन जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव और आबकारी आयुक्त द्वारा नामित सदस्य एवं जिला आबकारी अधिकारी की मौजूदगी में गांधी सभागार में हुआ। जिसमें कुल 18 मदिरा दुकानों पर 105 आवेदन प्राप्त हुए, सबसे अधिक आवेदन (22) रमपुरा कपूरपुर गांव पर प्राप्त हुए। सबसे पहले जिला आबकारी अधिकारी ने लॉटरी से संबंधित जानकारी आवेदकों के समक्ष पढ़ के सुनाई तत्पश्चात् सिमुलेशन की कार्रवाई करते हुए सभी आवेदकों की आवंटन होने की एक समान संभावना को दर्शाया। तदोपरांत रैंडमाइजेशन के माध्यम से कंप्यूटर द्वारा दुकानों का आवंटन हुआ। सभी सफल आवेदकों की सूची जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई एवं समस्त सफल आवेदकों को आवंटन आदेश जारी किया गया।

कलेक्ट्रेट की सड़कों को कराया गया दुरुस्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री के संभावित दौरे से पहले कलेक्ट्रेट परिसर में सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया। परिसर के अंदर की सड़क क्षतिग्रस्त हो गई थी। यहां बरसात के दौरान पानी भी भर जाता है। अब सड़कों के दुरुस्त और ऊंचा होने से पानी भरने की समस्या का समाधान भी हो जाएगा। सड़कों की मरम्मतीकरण के दौरान कर्मचारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय के तरफ के जर्जर हिस्से की भी मरम्मत की मांग उठाई थी।

झगड़े में बीच-बचाव करने गए 17 वर्षीय किशोर शिवा ठाकुर को एक युवक ने मारी गोली

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप / उत्तर प्रदेश

फर्रुखाबाद जिले के कमालगंज थाना क्षेत्र स्थित नगला टिकार गांव में गुरुवार शाम एक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। झगड़े में बीच-बचाव करने गए 17 वर्षीय किशोर शिवा ठाकुर को एक युवक ने गोली मार दी। गोली लगने से किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा भी बरामद कर लिया है। कैसे हुई घटना?- प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवा ठाकुर के एक साथी का पड़ोस के कल्लू नगला गांव के कुछ युवकों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान जब शिवा झगड़ा शांत कराने और बीच-बचाव करने पहुंचा, तो वहां मौजूद एक युवक ने तमंचे से फायर कर दिया। गोली शिवा के बगल के नीचे लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। अस्पताल में चल रहा इलाज- घटना के तुरंत बाद घायल शिवा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कमालगंज ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। लोहिया अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। हालांकि, परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए शहर के ही एक निजी नर्सिंग होम में ले गए हैं, जहाँ उसका इलाज जारी है। नशे में था आरोपी- परिजन- घायल शिवा के भाई प्रदीप कुमार ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह पूरी घटना महज एक आपसी कहासुनी से शुरू हुई थी। उनके अनुसार, गोली मारने वाला युवक नशे की हालत में था। जब शिवा ने उसे झगड़ा करने से मना किया और रोकने का प्रयास किया, तो उसने तैश में आकर गोली चला दी। पुलिस की कार्रवाई- घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अरुण कुमार सिंह और कादरी गेट थाना पुलिस लोहिया अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली। एएसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया, कमालगंज थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हुई आपसी कहासुनी के बाद कुंवर पाल नामक व्यक्ति ने अवैध तमंचे से फायर किया था, जिसमें शिवा ठाकुर नाम के युवक को गोली लगी है। पुलिस ने आरोपी कुंवर पाल को तुरंत हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया अवैध तमंचा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

भ्रष्टाचार और लापरवाही:सोशल मीडिया पर रिश्वत के लेन-देन का वीडियो वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद कायमगंज पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार और लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। एक नाबालिग लड़की के अपहरण की जांच के एवज में रिश्वत मांगने के आरोप में पुलिस अधीक्षक (SP) ने कड़ा रुख अपनाते हुए एक महिला उप-निरीक्षक (दारोगा) और एक आरक्षी (सिपाही) चालक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह सख्त कार्रवाई सोशल मीडिया पर रिश्वत के लेन-देन का वीडियो वायरल होने के बाद की गई है। क्या है पूरा मामला?-प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक पीड़ित परिवार ने पुलिस उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की थी कि गांव के कुछ दबंगों ने उनकी 14 वर्षीय भतीजी का अपहरण कर लिया है। इस संबंध में स्थानीय कोतवाली में मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। परिवार का आरोप है कि मामले की जांच कर रही उप-निरीक्षक सुधा पाल ने निष्पक्ष विवेचना और कार्रवाई के नाम पर उनसे 25 हजार रुपये की मांग की। मजबूरी में आकर पीड़ित परिवार ने उन्हें 7 हजार रुपये दे दिए। इसी दौरान किसी ने पैसे देते हुए वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रिश्वत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, आरोपियों ने दी धमकी- पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस को रिश्वत देने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। आरोपी खुलेआम इलाके में घूमते रहे और परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां देते रहे। दबंगों ने यहां तक दावा किया कि उन्होंने जांच अधिकारी को अपने पक्ष में कर लिया है, जिससे पीड़ित परिवार का पुलिस पर से भरोसा पूरी तरह टूट गया।

वायरल वीडियो पर स्क का एक्शन- वीडियो के वायरल होने और पीड़ित की शिकायत का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वायरल वीडियो और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों को देखते हुए उप-निरीक्षक सुधा पाल और उनके आरक्षी चालक को निलंबित कर दिया गया है। मामले की विभागीय जांच क्षेत्राधिकारी (ष्टह्) मोहम्मदाबाद को सौंप दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कोतवाली में चार नए दारोगाओं की तैनातीइस मामले के सामने आने के बाद कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एसपी आरती सिंह ने गुरुवार को पुलिस लाइन से चार नए उपनिरीक्षकों को कायमगंज कोतवाली में तैनात किया है। इनमें उपनिरीक्षक ज्ञान प्रकाश पांडेय, अंकुर भाटी, रामनरेश सिंह और अशोक कुमार शामिल हैं।

आवारा सांड ने 75 वर्षीय एक बुजुर्ग को बुरी तरह रौंदा

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद- जिले के कायमगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पितौरा गांव में गुरुवार की सुबह एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई। यहाँ एक आवारा सांड ने 75 वर्षीय एक बुजुर्ग को बुरी तरह रौंद दिया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद पूरे गांव में जहां एक ओर मातम का माहौल है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन की अनदेखी को लेकर ग्रामीणों में भारी गुस्सा पनप रहा है। घर के बाहर बैठे थे बुजुर्ग, तभी हुआ हमला- प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 75 वर्षीय सुरेश चंद्र गंगवार के रूप में हुई है। गुरुवार सुबह करीब 7-30 बजे वे अपनी दिनचर्या के अनुसार घर के बाहर गली के किनारे बनी निहास (चबूतरे) पर बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक एक बेकाबू आवारा सांड ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। सांड ने बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मारकर जमीन पर गिरा दिया और उन्हें बुरी तरह रौंद डाला। ग्रामीणों ने सांड को भगाया, लेकिन रास्ते में तोड़ा दम- सुरेश चंद्र की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने ईंट-पत्थर मारकर किसी तरह सांड को वहां से खदेड़ा। लेकिन तब तक सुरेश चंद्र गंभीर चोटों के कारण बेहोश हो चुके थे। बदहवास परिजन उन्हें तत्काल बेहतर इलाज के लिए आगरा ले जा रहे थे। रास्ते में एटा पहुंचते-पहुंचते उनकी हालत और ज्यादा बिगड़ गई। आनन-फानन में उन्हें एटा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। मृतक के बड़े बेटे बृजेश ने बताया कि शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया एटा में ही चल रही है। पहले भी कर चुका है हमला, प्रशासन मौन- जैसे ही सुरेश चंद्र के निधन की खबर गांव पहुंची, पूरे पितौरा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। भारी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ गहरा रोष है। उनका स्पष्ट आरोप है कि यह वही आवारा सांड है जिसने पहले भी कई लोगों पर इसी तरह जानलेवा हमला किया था। बार-बार शिकायत के बावजूद प्रशासन ने इसे पकड़ने के लिए कोई कदम नहीं उठाया, जिसका खामियाजा आज एक बुजुर्ग को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। स्थायी समाधान की मांग- ग्रामीणों ने चिंता जताते हुए बताया कि गांव के किनारे स्थित बागों और खाली स्थानों में आज भी कई आवारा सांड खुलेआम घूम रहे हैं। इससे पूरे गांव पर हर समय खतरा मंडराता रहता है। आक्रोशित ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से आवारा पशुओं की इस जानलेवा समस्या का तत्काल और स्थायी समाधान करने की पुरजोर मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी किसी हृदय विदारक घटना की पुनरावृत्ति न हो।

आंधी-पानी से बिजली व्यवस्था पटरी से उतरी, तेज हवा से तार-पोल टूटे; जनजीवन प्रभावित

राजधानी में आंधी-पानी से बिजली व्यवस्था पटरी से उतर गई। तेज हवा से तार-पोल टूट गए। 11 व 33 केवी लाइन में फॉल्ट से बत्ती गुल हो गई। इसका सीधा असर जनजीवन पर पड़ा।राजधानी लखनऊ में शुक्रवार सुबह आंधी-पानी के कारण पटरी से उतर गई। ग्रामीण क्षेत्रों में लाइनों पर इलाकों को छोड़कर अन्य जगहों पर बिजली प्रभावित हुआ।11 व 33 केवी लाइन के तार गोमतीनगर विस्तार, सरोजनीनगर, मोहान रोड, की बत्ती गुल रही। जिम्मेदार इंजीनियरों ने हो गई थी।यार्ड में जाल टूट कर हाइटेंशन रस्सी टूटने से 33 हजार हाइटेंशन लाइन पर हुई। इससे मौलवीगंज, रकाबगंज, पांडेयगंज, हजार उपभोक्ताओं की डेढ़ घंटे तक परिवारों सक्सेना ने बताया कि बिजली चालू करने के कितने देर बंद रही बिजली आपूर्ति जानकीपुरम शहर से लेकर गांव तक अलग-अलग इलाकों की बिजली व्यवस्था पेड़ गिरने से तार व पोल टूटने की भी घटनाएं हुई। हालांकि, कुछ को सामान्य होने में एक से चार घंटे का समय लगा। इससे जनजीवन टूटने और फॉल्ट के कारण गोमतीनगर, अमीनाबाद, चिनहट, हरदोई रोड, उतरेठिया, आशियाना, इटौंजा, बीकेटी के उपभोक्ताओं बताया कि ज्यादातर इलाकों की बिजली एक घंटे के भीतर सामान्य लाइन पर गिरा अमीनाबाद ओल्ड उपकेंद्र के यार्ड में लगे जाल की गिरने से बड़े हिस्से की बत्ती गुल रही। यह घटना दोपहर 2.00 बजे खयालीगंज, अमीनाबाद पार्क गुलमर्ग रोड, चिकमंडी के करीब 10 व व्यापारियों की बत्ती गुल ठप रही। अधिशासी अभियंता धमेंद्र बाद 33 केवी इकाई की टीम खराबी को सही कर रही है। कहां सेक्टर आई से मड़ियांव गांव, आसपास सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक कपूरथला उपकेंद्र के सेक्टर एफ महानगर इलाकों में सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक मौलवीगंज हाता सुलेमान कदर अस्तबल चारबाग की सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक भीखमपुर उपकेंद्र से एल्डिको ग्रीन आसपास की दोपहर 2-45 से 3-20 बजे तक विभूति खंड, पिकप भवन,विभूति खंड थाना, पुलिस आवास की सुबह 9-50 से 10-25 बजे तक मंत्री आवास, विश्वासखंड, विपिनखंड उपकेंद्र इलाकों में सुबह 9-52 से 10-00 बजे तक गोमतीनगर विस्तार के दो उपकेंद्र सेक्टर एक, पांच इलाकों में शाम 4 से 5-15 बजे तक निरालानगर उपकेंद्र के लाल कॉलोनी, सीएसआईआर कॉलोनी की सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक- अहिबरनपुर उपकेंद्र पूरे इलाके में सुबह 10-15 से 11 बजे तक तेज हवा के झोंकों के बीच हुई बारिश- दरअसल, लखनऊ सहित प्रदेश के कई जिलों में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। सुबह घने काले बादल छा गए। तेज हवा के झोंकों के बीच करीब 9 बजे दिन में ही अंधेरा छा गया। जिससे लोगों को दिन में ही गाड़ियों की लाइट्स जलानी पड़ी। इसके बाद गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई, जिसने मौसम को पूरी तरह ठंडा कर दिया। शहर के बाहरी इलाकों में कहीं कहीं ओले गिरने की भी सूचना मिली। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक रही और दिन भर मौसम ऐसा ही बना रह सकता है। तापमान में लगभग 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है।

पश्चिम एशिया में युद्ध से यूपी डिफेंस सेक्टर को मिला बूस्ट, 12 हजार करोड़ का बाजार दोगुना होने के आसार

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण यूपी में डिफेंस सेक्टर में भी मांग बढ़ी है। अनुमान है कि 12 हजार करोड़ का बाजार 24 हजार करोड़ हो सकता है।पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक रक्षा जरूरतों में उछाल ने उत्तर प्रदेश के डिफेंस सेक्टर के लिए बड़ा बाजार खोल दिया है। बढ़ते ऑर्डर और निर्यात के चलते प्रदेश का डिफेंस उत्पादन 12 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर जल्द 24 हजार करोड़ तक पहुंच सकता है। गोला-बारूद, आर्टिलरी पार्ट्स, एंटी ड्रोन सिस्टम यूपी में बन रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और हालिया पश्चिम पारंपरिक युद्ध की जगह ड्रोन, स्मार्ट हथियार और एंटी मिसाइल सिस्टम पर रहा है, जहां डीआरडीओ, आर्डिनेंस फैक्ट्रियां और कई निजी कंपनियां सक्रिय आर्टिलरी पार्ट्स, बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट जैसे उत्पाद बना रही हैं। वर्तमान डिफेंस कॉरिडोर की वजह से इसके दोगुना होने की संभावना है।वैश्विक स्तर और कनाडा जैसे देशों ने पहले रक्षा खर्च कम कर दिया था, लेकिन अब तेजी करने वाला देश है, जबकि इस्राइल जैसे देश एडवांस एंटी-मिसाइल सिस्टम पश्चिम एशिया, रूस, यूक्रेन से खासी मांग है। कारोबारियों के मुताबिक अब बुलेटप्रूफ जैकेट, सीमित ड्रोन और हेलमेट जैसे उत्पादों की भारी मांग है। एशिया संकट ने दुनिया की रक्षा रणनीति को पूरी तरह बदल दिया है।अब फोकस बढ़ गया है। प्रदेश पहले से ही डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा केंद्र हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में एमएसएमई इकाइयां गोला-बारूद, में यूपी का डिफेंस उत्पादन 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक है और पर भी रक्षा बजट में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिल रही है। जर्मनी से बजट बढ़ाया है। अमेरिका पहले से ही दुनिया का सबसे बड़ा रक्षा खर्च (जैसे आयरन डोम) पर लगातार निवेश बढ़ा रहे हैं। खास तौर पर ईरान, युद्ध %टेक्नोलॉजिकल वॉर% बन चुका है। ईरान द्वारा कम लागत वाले प्री-प्रोग्राम्ड ड्रोन के इस्तेमाल ने यह साबित कर दिया है कि भविष्य के युद्ध में कम लागत वाले स्मार्ट हथियार निर्णायक हो सकते हैं। इसी ट्रेंड को देखते हुए यूपी की कंपनियां भी तेजी से नई तकनीकों पर काम कर रही हैं। नोएडा स्थित कंपनियां ड्रोन प्रिवेंशन सिस्टम और सिंथेटिक बैरियर जैसे इनोवेशन ला रही हैं, जो मिसाइल और ड्रोन हमलों के प्रभाव को कम करते हैं। सिंथेटिक बैरियर का इस्तेमाल ईरान, इस्राइल सहित अन्य देशों में तेजी से बढ़ा है। ये पांच किलो वजनी बोरियां होती हैं, जिन्हें इमारत के ऊपर खाली कमरों में भर दिया जाता है। ड्रोन हमले से निकली ऊर्जा को ये बोरियां अवशोषित कर लेती हैं और इमारत को कम नुकसान होता है। एक बोरी की कीमत करीब 600 रुपये है। रक्षा निर्यात के मोर्चे पर भी यूपी की स्थिति मजबूत हुई है। प्रदेश से उत्पाद अब रूस से लेकर नाटो देशों तक भेजे जा रहे हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से आने वाले वर्षों में ऑर्डर और तेजी से बढ़ेंगे। हालांकि उद्यमियों का कहना है कि इसके लिए स्किल, क्वालिटी और सिस्टम अपग्रेडेशन की जरूरत है। खासतौर पर एमएसएमई सेक्टर को वैश्विक मानकों के अनुरूप खुद को अपडेट करना होगा। बाजार दोगुना होने के आसार- नोएडा के फेरीटरो इंडिया के सौरभ खंडेलवाल ने कहा कि ड्रोन और मिसाइल खतरों को देखते हुए अब सिंथेटिक बैरियर जैसे हल्के और प्रभावी समाधान की मांग बढ़ रही है। यह तकनीक कम वजन में ज्यादा सुरक्षा देती है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संभावनाएं काफी बड़ी हैं। आज का युद्ध टेक्नोलॉजी आधारित है। ड्रोन, एंटी-ड्रोन सिस्टम और स्मार्ट- श्री हंस एनर्जी सिस्टम्स के निदेशक गौरव पिलानिया का कहना है कि हथियारों की मांग है। पश्चिम एशिया का मौजूदा संकट यूपी के डिफेंस सेक्टर के लिए बड़ा बाजार है, जिससे उत्पादन और निर्यात दोनों में उछाल आएगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

बेलगाम लकड़ी माफियाओं का बोल बाला

क्यूँ न लिखूँ सच /बहराइच- दिन के उजाले में हो या फिर रात के अंधेरे में बेखौफ होकर लगातार चला रहे बिना परमिट शीशम जैसे पेड़ पर आरा, आखिर किसके सह रात दिन चल रहा है आरा, सिक्कों की फेर में पूरा सिस्टम हुआ फेल, 9 मार्च 2026 को रात के अंधेरे में अवैध तरीके से शीशम के पेड़ काटे जा रहे थे, 9 मार्च 2026 को सुबह करीब 5ः00 बजे खबर मिली कि ग्राम पंचायत बुलबुल नेवाज़ में अवैध तरीके से शीशम के पेड़ काटे जा रहे हैं,

जिसकी सूचना विभागीय अधिकारी व स्थानीय थाना को दी गई, सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय थाना की पुलिस व विभागीय अधिकारी पहुंचे, शीशम के पेड़ से लदी पिकप गाड़ी को रिसिया क्षेत्र रेंज के वन विभाग के अधिकारियों ने अपने कब्जे में लेकर मौके से ले जाकर करीब 15 घंटे गाड़ी को आम के बगीचे में रखा गया, फर्जी कार्यवाही दिखाकर वन विभाग के अधिकारी की मिली भगत से शाम करीब 5ः00 बजे बरामद लकड़ी व पिकप गाड़ी को छोड़ दिया जाता है, करीब एक हफ्ता समय बीतने के बाद विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया गया तभी पता चला जिस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है,उसी को लेकर जनपद बहराइच के उच्च अधिकारियों से संपर्क किया गया, उच्च अधिकारियों का कहना है की ऐसे अवैध कटान करने वाले व विभागीय अधिकारियों द्वारा लापरवाही करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा अब देखना यह है कि ऐसे लोगों पर कब तक कार्यवाही होती है, यह पूरा मामला उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच तहसील नानपारा थाना मटेरा ग्राम पंचायत बुलबुल नेवाज़ का है

रिसिया क्षेत्र के ग्राम महरथा मजरा बाले कटिलिया में पुल निर्माण में धांधली के आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच /बहराइच/ ग्रामीणों का विरोध तेज ग्रामीणों ने बताया कि पुल निर्माण का कार्य शुरू हुआ था तभी से हम लोगों ने विरोध किया, फिर ठेकेदार बबलू द्वारा बताया गया कि पुल निर्माण कार्य में कोई धांधली नहीं की जाएगी। लेकिन उसके बाद काम स्टार्ट होते ही धांधली शुरू हो गई। आखिर में रद्दी मसालों से किया गया पुल का निर्माण जिम्मेदार बने अनजान- बहराइच। जनपद के ब्लॉक रिसिया थाना मटेरा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महरथा मजरा बाले कटिलिया में बन रहे पुल निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। लगभग 10 लाख रुपये की लागत से बन रहे इस पुल में घटिया सामग्री के उपयोग को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की जा रही है। पीली ईंटों और घटिया गुणवत्ता वाले सीमेंट का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे पुल की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस तरह का निर्माण कार्य भविष्य में बड़े हादसे का कारण बन सकता है।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पिछले तीन महीनों में कई बार इस मामले की शिकायत संबंधित अधिकारियों से की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। विरोध के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी अनजान बने हुए हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में लापरवाही और भ्रष्टाचार को नजरअंदाज किया जा रहा है और जिम्मेदार लोग भी इसमें भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और मानक के अनुरूप निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग न हो और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

संक्षिप्त समाचार

जमुनहा ब्लॉक मुख्यालय के सामने जलभराव से आमजन परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। ब्लॉक मुख्यालय से तहसील मुख्यालय तक जाने वाला मार्ग भी गड्ढों और जलभराव से प्रभावित है। सड़क पर बने गड्ढों में भरा पानी राहगीरों के लिए मुसीबत बन गया है। बाइक सवार, छात्र, बुजुर्ग सभी इस मार्ग पर आवाजाही करते समय गिरने और घायल होने का डर महसूस कर रहे हैं। मगर अधिकारी देखकर भी अनजान बने हुए हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि ब्लॉक मुख्यालय के सामने जलनिकासी की व्यवस्था कराई जाए और गड्ढों से जर्जर मार्ग का शीघ्र मरम्मत कार्य कराया जाए।

थाना हरदत्तनगर गिरन्ट द्वारा UPI जरिये ठगी गयी धनराशि पीड़ित के बैंक खाता में कराया गया वापस

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान तथा साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु दिए गए आदेशों और निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम आलोक कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक महिमा नाथ उपाध्याय व साइबर सेल थाना हरदत्तनगर गिरन्ट पुलिस टीम के प्रयास से शिकायतकर्ता विजय कुमार नि0 रजपूतिया थाना हरदत्तनगर गिरन्ट के बैंक खाते से न्च के जरिये 170008- ठगे गये साइबर सेल थाना हरदत्तनगर गिरन्ट जनपद श्रावस्ती द्वारा कार्यवाही करते हुये संपूर्ण धनराशि 17000/- रुपये% वापस कराया गया। आवेदक विजय कुमार नि0 रजपूतिया थाना हरदत्तनगर गिरन्ट द्वारा दिनांक 22 दिसंबर 2025 को एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत संख्या 23112250210766 दर्ज कराया गया था। जिसमें आवेदक उपरोक्त से फ्रॉडस्टर द्वारा UPI के माध्यम से कुल 17000/-रूपये ठग लिया गया था।

तनाव बनी मौत!: इंटर कॉलेज के प्रवक्ता ने जहर खाकर दी जान, लैब में मिली लाश; छह दिन से नहीं गए थे घर

मेरठ रोड स्थित श्री शांति स्वरूप इंटर कॉलेज में 55 वर्षीय प्रवक्ता रविंद्र कुमार का शव स्कूल की लैब में मिला। सुबह जब स्टाफ को शक हुआ तो उन्होंने रोशनदान से झांककर देखा, जहां प्रवक्ता अंदर पड़े मिले। यूपी के हापुड़ में एक कॉलेज प्रवक्ता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने सभी को झकझोर दिया। बताया जा रहा है कि प्रवक्ता पिछले कई दिनों से गहरे मानसिक तनाव में थे और बीते छह दिन से घर भी नहीं गए थे। वे स्कूल की लैब में ही रहकर वहीं सो रहे थे। आखिरकार उन्होंने जहर

खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।रोशनदान से लोगों ने देखा प्रवक्ता का शव

नगर कोतवाली क्षेत्र के मेरठ रोड स्थित श्री शांति स्वरूप इंटर कॉलेज में 55 वर्षीय प्रवक्ता रविंद्र कुमार का शव स्कूल की लैब में मिला। सुबह जब स्टाफ को शक हुआ तो उन्होंने रोशनदान से झांककर देखा, जहां प्रवक्ता अंदर पड़े मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।अंदर से बंद थी लैब

मौके पर पहुंची पुलिस ने लैब का दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। जांच में सामने आया कि लैब के दोनों गेट अंदर से बंद थे। अंदर एक फोल्डिंग बेड, कपड़े, कुकर में बनी सब्जी, बिस्किट के पैकेट और कुछ दवाइयां मिलीं, जिससे साफ है कि वह कई दिनों से वहीं रह रहे थे। मानसिक तनाव से जूझ रहे थे कॉलेज प्रबंधन के अनुसार, रविंद्र कुमार पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव से जूझ रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि इसी तनाव या किसी पारिवारिक दबाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया। मृतक मूल रूप से मुजफ्फरनगर के गांव घटायन के रहने वाले थे और करीब 10 साल से कॉलेज में पढ़ा रहे थे। पुलिस का बयान- एसपी ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में जहरीला पदार्थ खाने से मौत की आशंका है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण स्पष्ट हो पाएंगे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में गैस सिलेंडर की समस्या को लेकर किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती रमवापुर धूमबोझी चौराहे पर प्रदेश अध्यक्ष महिला तथा समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की रीबू श्रीवास्तव के निर्देशानुसार महिला सभा श्रावस्ती की अध्यक्ष श्रीमती सरोजनी शर्मा की अगवाई में महिलाओं द्वारा जोरदार। विरोध प्रदर्शन व धरना प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में काफी संख्या में महिलाओं ने खाली गैस सिलेंडर लेकर सरकार के दोगले रवैया की भारी आलोचना की व नारेबाजी की एक तरफ भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार कह रही है कि गैस की कोई किल्लत नहीं है परंतु एक महीने होने को है हमें गैस नहीं मिल रहा है। जिससे महिलाओं के जीवन पर काफी असर पड़ रहा है। इस लिए सरकार दोहरी रवैया छोड़कर गैस का प्रबंध कराए नहीं तो भविष्य में इससे भी जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर विरोध प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में महिलाओं ने गैस सिलेंडर सामने रखकर विरोध प्रदर्शन किया।

अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध चला अभियान, अवैध ठेला, रेहड़ी, वाहनों को हटवाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में जनपद में आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया गया। इसी क्रम में थाना हरदत्तनगर गिरंट पुलिस द्वारा बदला चौराहे पर पैदल गश्त करते हुए सड़क किनारे लगे अवैध ठेला, रेहड़ी, दुकानों एवं खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग भी की गई। अभियान के दौरान अतिक्रमण करने वालों को भविष्य में सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस द्वारा दुकानदारों एवं आमजन से अपील की गई कि वे यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें तथा सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखें। यह कार्रवाई जनहित में की गई, जिससे लोगों को आवागमन में होने वाली असुविधा को दूर किया जा सके और यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित किया जा सके।

हाथ में कंडोम का पैकेट, पेड़ पर टंगे कपड़े, टायलेट की छत पर युवक की निर्वस्त्र लाश; बैंकाक से आया था ऋषभ

गोरखपुर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने इलाके में सनसनी फैला दी। युवक का शव निर्वस्त्र अवस्था में टॉयलेट की छत पर मिला, जबकि उसके हाथ में कंडोम का पैकेट था और मुंह से झाग निकल रहा था। इस रहस्यमयी स्थिति ने हत्या की आशंका को और गहरा कर दिया है।गोरखपुर के गगहा थाना इलाके के रावतपार गांव में बृहस्पतिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक की निर्वस्त्र लाश टायलेट की छत पर पाई गई। संदिग्ध परिस्थितियों में मिले शव ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। युवक के हाथ में कंडोम का पैकेट मिला, जबकि उसके कपड़े पास के एक पेड़ पर टंगे पाए गए। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस हत्या और आशनाई दोनों एंगल पर जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान रावतपार निवासी उदय चंद यादव के बेटे ऋषभ यादव उर्फ बब्बी यादव (25) के रूप में हुई है। वह गोरखपुर-वाराणसी हाईवे के पास स्थित एक आटा चक्की के पीछे बने टायलेट की टीनशेड छत पर मृत अवस्था में मिला।आटा चक्की मालिक राजेंद्र यादव का बेटा रामप्रताप यादव उर्फ साहब ने सबसे पहले शव को देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची गगहा पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस को घटनास्थल से मिले सुरागों के आधार पर यह भी आशंका है कि घटना में किसी करीबी का हाथ हो सकता है। हालांकि, अभी तक किसी के खिलाफ तहरीर नहीं दी गई है। परिजनों के मुताबिक ऋषभ यादव बैंकाक में रहकर काम करता था। वह ऋषभ, युवराज और दो बहनों पूजा व अर्चना में सबसे बड़ा था। बीती 19 फरवरी को उसकी छोटी बहन अर्चना की शादी थी, जिसके लिए वह विदेश से घर आया था। शादी के करीब दस दिन बाद उसके पिता वापस बैंकाक लौट गए, जबकि ऋषभ गांव में ही रुक गया था। ऋषभ की शादी वर्ष 2019 में डडवापार निवासी चांदनी से हुई थी। जिससे दो बच्चे अनवीर (6) और आश्विक (3) हैं। घटना के बाद पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज रही थी, लेकिन परिजनों और रिश्तेदारों ने अंतिम बार चेहरा देखने की इच्छा जताई। इस पर पुलिस ने शव को रास्ते से वापस थाने मंगवाया। बाद में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पीएम रिपोर्ट से खुलेगा राज- सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि युवक के शरीर पर किसी भी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि या तो युवक को किसी नशीले पदार्थ के जरिए मौत के घाट उतारा गया या फिर उसने स्वयं किसी दवा का सेवन किया हो। साथ ही, घटनास्थल की परिस्थितियां आशनाई की ओर भी इशारा कर रही हैं। डेढ़ साल बाद बैंकाक से घर आया था युवक, पत्नी से अक्सर होता था विवाद- गोरखपुर के रावतपार निवासी उदय चंद यादव के 25 वर्षीय बेटे ऋषभ यादव उर्फ बब्बी यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने इलाके में सनसनी फैला दी है। युवक का शव निर्वस्त्र अवस्था में टॉयलेट की छत पर मिला, जबकि उसके हाथ में कंडोम का पैकेट था और मुंह से झाग निकल रहा था। इस रहस्यमयी स्थिति ने हत्या की आशंका को और गहरा कर दिया है। फॉरेंसिक टीम के अनुसार, घटनास्थल की परिस्थितियां कई सवाल खड़े कर रही हैं। जहां शव मिला, वहां तक पहुंचना आसान नहीं माना जा रहा है। ऐसे में ग्रामीणों का कहना है कि या तो शव को वहां रख दिया गया है या युवक खुद किसी कारणवश वहां चढ़ा होगा। पेट पर छिलने के निशान भी मिले हैं, जिससे संघर्ष की संभावना जताई जा रही है। अगर शव को वहां रखा गया है, तो इसमें दो या उससे अधिक लोगों की संलिप्तता की आशंका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि टॉयलेट की छत पर शव रखने के पीछे कातिल की मंशा क्या थी। ग्रामीणों का मानना है कि शव को ऐसी जगह रखा गया, जहां हर किसी की नजर पड़े, जिससे घटना को सनसनीखेज बनाया जा सके। घटना स्थल से 25 मीटर दूर पेड़ पर मिला युवक का कपड़ा- घटनास्थल से करीब 25 मीटर दूर एक पेड़ पर युवक की जींस पैंट और टी-शर्ट बरामद हुई है। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि कपड़े वहीं उतारे गए थे या कहीं और से लाकर फेंके गए। मां गुड्डी के मुताबिक ऋषभ डेढ़ साल बाद बैंकाक से फरवरी में घर लौटा था। वह अक्सर रात में खाना खाने के बाद टहलने के बहाने घर से निकल जाता था। पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कॉल डिटेल खंगाल रही है और आशनाई के एंगल पर भी जांच कर रही है। पुलिस ने मामले में कुछ संदिग्धों से पूछताछ जारी है। घटनास्थल बिजली घर से करीब 400 मीटर दूर बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच में जुटी है। परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, पत्नी चांदनी और दो मासूम बेटों का सहारा छिना- ऋषभ यादव की मौत ने उसके परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। वर्ष 2019 में डडवापार की रहने वाली चांदनी से उसकी शादी हुई थी। दंपति के दो छोटे बेटे अनवीर (6) और आश्विक (3)। पिता की मौत से दोनों मासूमों के सिर से साया उठ गया है। एसपी साउथ दिनेश कुमार पुरी के अनुसार पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। बुधवार देर रात भी दोनों में कहासुनी हुई थी। इधर, बड़े बेटे की मौत ससे मां गुड्डी का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं छोटा भाई युवराज (15) और बहनें पूजा व अर्चना भी गहरे सदमे में हैं। ऋषभ अपने पिता के साथ बैंकाक में काम करता था। जो परिवार का सहारा था। उसकी मौत की सूचना पर पिता भी बैंकाक से शहर के लिए रवाना हो गए हैं। टैटू से हुई शव की पहचान- युवक की पहचान उसके दाएं हाथ पर बने टैटू से हुई। हाथ पर 'ऋषभ' नाम का गोदना गुदवाया गया था, पुष्टि की। इसके पुलिस परिजनों से संपर्क किया। परिजन जब मौके पर पहुंचे तो ऋषभ का शव देख सन्न रह गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है।- डॉ. कौस्तुभ एसएसपी

Excessive strictness in the name of discipline can make children submissive and increase the risk of anxiety.

Teaching children discipline is essential, but adopting an overly strict approach can affect their mental health. Excessive strictness creates a lack of self-confidence in children. Fear leads to lying and hiding things. Strict parenting increases anxiety and rebellion in children. Teaching children discipline from childhood is crucial, but sometimes parents resort to excessive strictness in order to instill discipline. If discipline takes the form of strictness or over-control, it can have adverse effects. Over-strict parenting has a profound negative impact on children's mental and emotional development. Let's learn why excessive strictness is not good for children. Lack of self-confidence: When parents control every small decision of children and punish them for mistakes, children lose confidence in themselves. They constantly fear that if they do something wrong, they will be punished. This fear leads to a lack of self-confidence in children. They become reluctant to try new things or take risks because they believe perfection is the only option. Lying and concealment tendencies - A strict environment can lead children to lie or conceal things. Fearing punishment, they find ways to hide their mistakes instead of correcting them. This habit can gradually become a part of their behavior, widening the communication gap between parents and children. Social and emotional challenges - Strict parenting prevents children from learning to express their emotions. Such children often feel isolated from others. This strictness often leads to rebellion as they reach adolescence. A child who was a quiet compliant child may grow up to be aggressive or rebellious. Impact on mental health - Excessive rules and regulations increase the risk of depression in children. They are hypervigilant, meaning they always feel judged. Therefore, they shy away from doing anything new, do not express themselves openly and feel isolated from others. This affects their mental health and creativity. How to maintain the right balance between discipline and love? - For good parenting, along with teaching discipline to children, it is also important to tell them that you love and support them. Therefore, instead of just giving orders to children, listen to them and explain the reasons behind the rules you have made. Instead of punishing them for making a mistake, give them a chance to correct the mistake and tell them where they went wrong. Try to inculcate a feeling of respect and trust in the minds of children instead of fear.

Don't have time to prepare breakfast in the morning? Quickly prepare tasty and healthy banana-oat pancakes.

If you don't have much time to prepare breakfast in the morning, making banana-oat pancakes can be a great option for you. In the rush of the morning, we often skip breakfast or eat something unhealthy. This is okay sometimes, but if you skip breakfast frequently, it can harm your health. To avoid this, you can try something for breakfast that is delicious, healthy, and easy to prepare. Banana-oat pancakes are a great option. This recipe is not only a great option for breakfast, but also a great option for children's lunch. Let's learn the recipe for Banana Oats Pancakes. Ingredients (Serves 2): Oats (rolled or instant) - 1 cup Ripe bananas - 2 medium-sized ones Milk (dairy or almond milk) - 1/2 cup (vegetarians can use yogurt) Egg - 1 Baking powder - 1 1/2 teaspoon - a pinch Cinnamon powder Vanilla essence - 2-3 drops maple syrup for topping Honey or Method: First, grind the oats in a mixer grinder until they are finely ground. When they resemble flour, transfer them to a bowl. In another bowl, peel the bananas and mash them well with a fork. Add the egg or 2 teaspoons of yogurt, milk, and vanilla essence and beat until well combined. Then, add the baking powder and cinnamon to the oat powder. Slowly add the banana and milk mixture and continue mixing. Be sure to ensure the batter is not too thin; The consistency should be like idli batter. Let it rest for 5 minutes so the oats absorb the moisture. Heat a non-stick pan over medium heat and add a little butter. Using a large spoon, spread the batter over the pan. Be careful not to spread it too thinly. When small bubbles appear on the top of the pancake, carefully flip it over. Cook for 1-2 minutes on the other side until golden brown. The banana-oats pancake is ready. To serve, drizzle some honey or maple syrup over it. To make the pancake even more attractive, you can garnish it with sliced ??bananas and blueberries.

Why are your teeth decaying even after brushing? A doctor reveals the real reason: these 7 everyday habits.

You can maintain healthy teeth and gums by changing some of your bad habits. Antibacterial mouthwash kills good bacteria. Brushing immediately after eating wears down enamel. Snoring can be a sign of serious health problems. A beautiful smile not only boosts your confidence but is also linked to overall health. People often wait for toothaches, but did you know that poor oral hygiene can increase the risk of serious problems like heart disease and diabetes? In this regard, American dentist Mark Burhenn shares 7 habits that can cause our gums to recede. By changing these 7 habits, you can not only save your smile but also avoid hefty dentist expenses. Let's learn about them: Antibacterial mouthwash - We think antibacterial mouthwash thoroughly cleans our mouth, but it also kills the good bacteria, or the oral microbiome, which are essential for our health. A lack of these can increase blood pressure. Therefore, you can use oil pulling instead. Brushing immediately after eating - If you have the habit of brushing immediately after eating, it can be detrimental to your oral health. Doing so can wear down the enamel of your teeth. Therefore, it's best to brush within 30-45 minutes of eating. Teeth whitening - Some people prefer to get teeth whitening every month, which is unsafe for their teeth. Doing so can cause peroxide sensitivity, a sign of weakened teeth and gums. This can wear away enamel, which cannot be regenerated. Child breathing with his mouth open - If your child breathes with his mouth open while sleeping, do not ignore it. A tilted head and dark circles under the eyes can all be signs of an underlying problem in the child, which can affect their development. Rinse immediately after brushing - For good oral health, avoid rinsing immediately after brushing. Doctors say that most people rinse their mouth with water after brushing, but this destroys the fluoride's effectiveness. Therefore, spit only after brushing so that the fluoride can do its work. Snoring - If you also snore, it can be harmful to your health. Snoring is not a common problem; it can also cause obstruction in the airways, which can affect heart and brain health. See a doctor only when pain occurs - Some people ignore toothache, considering it a common thing, which can worsen the problem if not treated in time. Therefore, regular checkups can prevent small problems from becoming bigger.

Bharti Singh finally gave fans a glimpse of little Kaju, fans said, "He's a copy of Harsh."

Bharti Singh and Harsh Limbachiyaa revealed the face of their second son, Kaju (Yashveer), in a YouTube video on Gudi Padwa. They also hosted a 'Sea Breeze'-themed party to mark the special moment. Bharti Singh revealed Kaju's face on Gudi Padwa. YouTube video and 'Sea Breeze'-themed party - fans called Kaju a copy of Harsh Limbachiyaa. Star comedian Bharti Singh and her husband Harsh Limbachiyaa surprised fans on Gudi Padwa. Bharti revealed the face of their second son, Kaju, in a YouTube video. Bharti Singh's second son, born in December 2025, was named Yashveer. Bharti affectionately calls him Kaju. The baby has been shown several times on blogs, but no one has seen his face. Now, finally, the couple has given fans their first glimpse of Kaju. The couple threw a special party: Bharti and Harsh hosted a lavish face-reveal party, inviting only a few guests. The theme of the party was a sea breeze, and the decor was blue. Bharti's eldest son, Lakshya, also looked very excited. Who does Kaju resemble? Yashvir wore a cute red dress. Fans are reacting to Bharti Singh's adorable son. Many commented that he looks like an exact replica of Harsh. One user wrote, "Kaju looks exactly like Harsh and his grandfather." Another said, "Kaju is a copy of Harsh." A third wrote, "Gola looks like Bharti, and Kaju looks like Harsh." Harsh himself stated in a video that he thinks Kaju resembles Bharti. After dating for some time, Bharti and Harsh got married in December 2017. The couple welcomed their first child, Lakshya aka Golla, in 2022.

Dhurandhar 2 has already broken the records of these 5 blockbuster films, earning a massive amount on opening day.

Ranveer Singh's Dhurandhar: The Revenge has already broken the opening collection records of five major films on its opening day. Dhurandhar: The Revenge is a smash hit on its first day. Dhurandhar 2 breaks the records of five films - the film hits a century, excluding paid previews. Dhurandhar: The Revenge was a box office smash on its first day. Some called it a celebration, while others called it a grand festival. The buzz surrounding the film was so strong that paid previews alone became a sensation. After earning crores in paid previews, Dhurandhar continued to wreak havoc on March 19th. Dhurandhar 2 has made such a tremendous opening at the domestic box office on the first day that five top grossing blockbuster films have been left behind in front of Ranveer Singh's film. Dhurandhar 2's brilliance in paid preview - Dhurandhar 2 (Dhurandhar 2 Box Office Collection), directed by Aditya Dhar, had its paid preview on March 18. On this day, the film did a business of around Rs 43 crores. Dhurandhar 2 was the first film to earn so much in paid preview. Dhurandhar 2 first day box office collection - After the paid preview, Dhurandhar 2 was released in theatres on March 19. This film has made such a huge opening that five big films including Pushpa 2 and Jawan have been left behind. According to the early trade of SacNilk, Dhurandhar has collected Rs 102.55 crores on the first day. On Thursday, the film got around 21,728 shows. Which films were surpassed by Dhurandhar 2 - Dhurandhar 2 has scored a century at the domestic box office on the first day itself. This film earned more than 102 crores in a single day, which no South or Bollywood film has been able to do so far. Before this, it was Jawan which had earned the biggest opening of 75 crores. Jawan - Rs 75 crores Pushpa 2: The Rule - Rs 72 crores Animal - Rs 63.80 crores Pathan - Rs 57 crores Stree 2 - Rs 55.40 crores Opening day collection of Dhurandhar 2 - Rs 102 crores Paid preview collection of Dhurandhar 2 - Rs 43 crores Total collection of Dhurandhar 2 - Rs 146 crores Dhurandhar 2 moves ahead by almost surpassing the first part - Dhurandhar 2 has broken the record of its first film itself. Released in theaters on December 5, 2025, Dhurandhar opened with approximately ?28 crore (approximately $280 million) on its first day. The film grossed ?13 billion (approximately $1300 million) worldwide. It remains to be seen whether the film will break all-time records.

After Hindi, 'The Traitors' will also be broadcast in South Indian languages, with this superstar as the host.

OTT platform Amazon Prime Video's reality show, The Traitors, will now stream in South Indian languages. The Traitors will stream in South Indian languages, with this South Indian superstar as the host. OTT platform Amazon Prime Video organized the Prime Video Presents event in Mumbai. During the event, upcoming shows, movies, and new web series were announced on Prime Video. A major update was also revealed regarding the reality show, The Traitors. Prime Video has officially announced that, after Hindi, The Traitors will now be streamed online in South Indian languages ??as well. So, let's find out which artist will host The Traitors in South Indian languages. The Traitors will stream in Telugu - On Thursday, Prime Video made a major announcement regarding the Telugu version of The Traitors. After the record-breaking success of The Traitors in Hindi, this superhit global format is now coming to Telugu. With 20 celebrities and a young, modern superstar host, this is a game of deception where only the most cunning players can survive. This clearly indicates that, like Bigg Boss, The Traitors will be making waves in the South as well. It's worth noting that the announcement of The Traitors Telugu is considered one of Prime Video Presents' biggest announcements. A total of 55 thrillers will be available on the OTT platform in the coming days. The Hindi season of The Traitors was streamed online on Prime Video last year, hosted by producer Karan Johar. This Hindi-language reality show was quite successful, and a second season has already been announced. This South superstar will host the Telugu version of The Traitors. This is the same Teja who appeared in the film Hanuman-Man. However, the streaming date for The Traitors Telugu has yet to be announced.